सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 141 | जनवरी : 2022

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- मोदी ने क्रिप्टोकरेंसी पर लोकतांत्रिक देशों से मिलकर काम करने का आग्रह किया
- प्रधानमंत्री ने किया आरबीआई की अभिनव ग्राहक केन्द्रित पहल का शुभारम्भ
- आरबीआई ने त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई ढाँचे फ्रेमवर्क में किया संशोधन

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने वाले बिल को कैबिनेट की मंजूरी
- उत्तराखंड में खुला भारत का पहला 'घास संरक्षण केन्द्र'
- प्रधानमंत्री मोदी ने सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का किया उद्घाटन
- 50 नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की आधारशिला रखी गई

25 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- इजरायल, जॉर्डन, यूएई जलवायु संकट से निपटने को क्षेत्रीय सहयोग पर सहमत
- अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का 101वाँ सदस्य देश बना अमरीका
- महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर इस्तांबुल अभिसमय
- ग्लोबल ड्रग पॉलिसी इंडेक्स 2021 में भारत 18वें स्थान पर

29 खेल खिलाड़ी

- आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर जीता आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप
- नोवाक जोकोविच ने 2021 में पेरिस में 37वाँ मास्टर्स खिताब जीता
- जीव मिल्खा सिंह आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट, 2021

32 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

35 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

39 **पारिस्थितिकी लेख**—केरल में पर्यावरण संकट

40 **सामयिक लेख**—(i) स्वच्छ ऊर्जा का विकल्प हाइड्रोजन ऊर्जा

41 (ii) नवजागरण के सुधारवादी व ज्ञानवादी धारा के अग्रदूत स्वामी दयानंद

51 **स्वास्थ्य लेख**—अल्जाइमर का बढ़ता खतरा

85 **वर्षांत समीक्षा 2020**—विधि विभाग

87 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

88 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-138 का परिणाम**

89 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

52 एस.एस.सी. द्वारा आयोजित कम्बाइंड हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2019

60 राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2020

69 राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2021

मॉडल हल

80 आगामी मध्य प्रदेश राज्य के जिला एवं सत्र न्यायालयों की स्थापनाओं पर शीघ्र लेखक ग्रेड-2, शीघ्र लेखक ग्रेड-3 (कोर्ट मैनेजर स्टाफ), सहायक ग्रेड-3 (English Knowing) के पदों की भर्ती/ नियुक्ति परीक्षा-2021 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — फोन–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — फोन–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — मो–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — मो–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — मो–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

अच्छा अधिकारी बनने के लिए मनुष्य बनिए

"Don't dream of being a good person, be a human being is valuable and gives value to life."

—Albert Einstein

सर-शैया पर लेटे हुए पितामह भीष्म से पाण्डवों ने आग्रह किया—'हे पितामह ! आप तो जाने के लिए तैयार हैं. जाने के पूर्व कुछ धर्मोपदेश कह दीजिए' पितामह ने कहा—धर्म की बातें सुनो और उनको हृदय में धारण करो—तदनुसार आचरण करो और मनुष्य बन जाओ, अर्थात् मनुष्य बन जाना ही धर्म है, यही मेरा धर्मोपदेश है. पाण्डव मनुष्यत्व के लक्षण अथवा मनुष्यता की पहचान पूछना चाहते थे, तब तक द्रोपदी ने रोष भरे स्वर में कहा—वृद्धावस्था में शिथिल हो जाने पर ज्ञान-धर्म की बात सभी करते हैं, आप भी कर रहे हैं, परन्तु उस समय आपके ज्ञान-धर्म कहाँ चले गए थे, जिस समय भरी सभा में मुझे निरवस्त्र करने का प्रयत्न किया जा रहा था ? पितामह कुछ क्षणों तक चुप रहने के उपरान्त बोले—बेटी द्रोपदी तू ठीक कहती है, धर्म का ज्ञान मुझे जैसा अब है, वैसा ही उस समय था. उस समय पापी दुर्योधन का अन्न खाने के कारण मेरी बुद्धि दूषित थी. उसने मेरी आत्मिक शक्ति को क्षीण कर दिया था और मुझमें इतना साहस नहीं था कि मैं मुँह खोल सकता, परन्तु वीरवर अर्जुन के बाणों की चोट से मेरा दूषित रक्त बह गया है, मेरा मन शुद्ध है और मुझमें मेरी आत्मिक शक्ति मुझे मुँह खोलने का साहस दे रही है. अतएव ध्यान रखना चाहिए कि पाप की कमाई कभी नहीं खानी चाहिए. कहा भी जाता है जैसा खाए अन्न, वैसा हो मन. इतना कहने के उपरान्त पितामह शान्त हो गए. पाण्डवों में धर्म विषयक मानव-धर्म, मनुष्यत्व आदि के विषय में चर्चा होती रही.

मन हमारे शरीर रूप रथ का सारथी है. वह शरीर रूप रथ के इन्द्रिय रूप घोड़ों को नियन्त्रित करता है. यदि वह दूषित होगा, तो इन्द्रिय रूप घोड़ों को ठीक राह पर क्योंकर ले जा सकेगा. हमारा विश्वास है कि आप भी नहीं चाहेंगे कि आपके शरीर-रूप रथ को चलाने वाला मन इधर-उधर बहक जाने वाला न हो. आप जब अधिकारी बनेंगे तब आपको अपने रथ के अलावा जनता के रथों को भी नियन्त्रित करना होगा, परन्तु जब आपका अपना मन ही इन्द्रिय रूप घोड़ों को नियन्त्रित न कर सकेगा, तब आप ठीक रास्ते पर जा ही नहीं पाएंगे. धर्म का उल्लंघन अर्थ द्वारा न हो. धर्माचरण द्वारा किया गया धनोपार्जन ही ग्राह्य होना चाहिए. तब मन शुद्ध होगा और बुद्धि की बात सुन सकेगा. अधिकारी के रूप में आपसे आशा की जाएगी कि आप प्रत्येक आचरण एक संयत व्यक्ति की भाँति करें और आपका प्रत्येक निर्णय बुद्धि-विवेकयुक्त हों. स्पष्ट है आप कभी कोई ऐसा आचरण नहीं करेंगे, जिसमें धर्म का, मनुष्य-धर्म का उल्लंघन होता हो.